भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 14 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: i) पूर्वोत्तर राजस्थान और उससे लगे उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर तथा दक्षिण-पूर्व गंगीय पश्चिम बंगाल और उससे लगे बांग्लादेश के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है।

ii) 14 और 15 तारीख को राजस्थान में भारी से बहुत भारी वर्षा, 14 तारीख को ओडिशा, झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल और 15 जुलाई, 2025 को छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

आज दिनांक 14 जुलाई, 2025 को 0830 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति:

- ओडिशा में भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) दर्ज की गई है।
- झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात राज्य, तमिलनाडु, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, पश्चिमी असम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया अनुलग्नक I देखें।

i. मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

मौसम प्रणालियाँ:

- मानसून की द्रोणिका सक्रिय है; इसका पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में और पूर्वी सिरा औसत समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के निकट है।
- उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में कल का निम्न दबाव का क्षेत्र धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा, 0530 बजे भारतीय मानक समय पर उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे पूर्वी राजस्थान पर स्थित था और आज, 14 जुलाई, 2025 को 0830 बजे भारतीय मानक समय पर उत्तर-पूर्व राजस्थान और उससे सटे उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश पर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव के क्षेत्र के रूप में स्थित था। अगले 2 दिनों के दौरान इसके राजस्थान में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर धीरे-धीरे आगे बढ़ने की संभावना है।
- कल का निम्न दबाव का क्षेत्र बंगाल की खाड़ी के उत्तर और बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के आसपास के तटीय क्षेत्रों पर उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा, 0530 बजे भारतीय मानक समय पर दक्षिण-पश्चिम बांग्लादेश और उससे सटे गंगीय पश्चिम बंगाल पर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव के क्षेत्र के रूप में स्थित था। धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ते हुए, यह आज, 14 जुलाई, 2025 को 0830 बजे IST पर दक्षिण-पूर्व गंगीय पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश पर स्थित है। अगले 24 घंटों के दौरान इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और गंगीय पश्चिम बंगाल पर एक अवदाब में केंद्रित होने की संभावना है।
- मध्य क्षोभमंडल स्तरों में एक गर्त के रूप में एक पश्चिमी विक्षोभ मोटे तौर पर अक्षांश 28°N के उत्तर में देशांतर 66°E के साथ चल रहा है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है।

उत्तर पश्चिम भारत:

- 14 और 15 जुलाई को राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 14-20 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 14-17 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर; 14 और 16 को पंजाब; 14 को हरियाणा, चंडीगढ़; 16-20 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 14-17 जुलाई के दौरान राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 14 और 15 को हिमाचल प्रदेश में; 15 को उत्तराखंड; 16 को पश्चिमी राजस्थान; 17 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है ।
- अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और मैदानी इलाकों में कुछ/कई स्थानों पर आंधी, बिजली के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 14 जुलाई को ओडिशा, झारखंड, तटीय गंगीय पश्चिम बंगाल और 15 जुलाई को छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 14-18 जुलाई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश, 14-20 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, ओडिशा, 14-16 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़, बिहार, 15 जुलाई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 14, 15, 19 और 20 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। 14 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश, 16 और 17 जुलाई को पूर्वी मध्य प्रदेश, 15 और 16 जुलाई के दौरान झारखंड, 15 जुलाई को ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल और 15 और 16 जुलाई को बिहार में बहुत भारी वर्षा हो सकती है।
- अगले 7 दिनों के दौरान अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ-साथ गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है, आज बिहार में मध्यम से तीव्र बिजली गिरने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 14 जुलाई को कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, सौराष्ट्र और कच्छ में तथा 14 और 15 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 14 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में बहुत भारी वर्षा हो सकती है।
- अगले 5 दिनों के दौरान क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में कई स्थानों पर गरज के साथ हल्की/मध्यम वर्षा जारी रहने की संभावना है।
- 14-16 जुलाई के दौरान असम और मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि 15 जुलाई को मेघालय में बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 14 से 20 जुलाई के दौरान केरल और माहे, तमिलनाडु, कर्नाटक में; 15 से 19 जुलाई के दौरान तमिलनाडु में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, 19 और 20 जुलाई को लक्षद्वीप में; 18 से 20 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 18 और 19 जुलाई को रायलसीमा में भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 5 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में छिटपुट से लेकर छिटपुट वर्षा हो सकती है।

गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- 14 और 15 जुलाई को तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा के कुछ हिस्सों में गर्म और आर्द्र मौसम की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 14 जुलाई से 19 जुलाई 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचें:

अरब सागर:

- 14 से 16 जुलाई तक गुजरात, कोंकण, गोवा तटों के साथ-साथ; 14 से 19 जुलाई तक केरल तटों के साथ-साथ, लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्र मे; 14 से 19 जुलाई के दौरान सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, ओमान और यमन तट के साथ-साथ और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में; 14 और 15 जुलाई तक उत्तर-पूर्वी अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 14 से 19 जुलाई तक मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्सों और आसपास के दक्षिण और उत्तरी अरब सागर में, 14 से 19 जुलाई तक दक्षिण अरब सागर के उत्तरी हिस्सों में; 14 से 19 जुलाई तक कोमोरिन क्षेत्र में न जाएँ।

बंगाल की खाड़ी:

- उत्तर, बंगाल की खाड़ी से सटे मध्य भाग, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश के तटों के साथ 14 जुलाई तक; पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्से 14 जुलाई तक; दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्से और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी 15 से 18 जुलाई तक; दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ दक्षिणी हिस्से 14 और 15 जुलाई तक); दक्षिण-पश्चिम के कुछ दक्षिणी हिस्से और उससे सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी 16 से 19 जुलाई तक; मन्नार की खाड़ी के ऊपर पहले से पाँचवें दिन तक (13 से 18 जुलाई तक); दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर 17 और 18 जुलाई तक न जाएँ।
- उपर्युक्त क्षेत्रों और तिथियों में मछली पकड़ने के कार्यों को पूरी तरह से स्थगित करने का सुझाव दिया गया है।

ii. 14 से 17 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **ओडिशा:** मंदिरा बांध (जिला सुंदरगढ़) 22; राजकनिका (जिला केंद्रपाड़ा) 14; धामनगर (जिला भद्रक) 12; पानपोष (जिला सुंदरगढ़), जेनापुर (जिला जाजपुर) 11 प्रत्येक; पल्लाहारा (जिला अंगुल), लाठीकटा (जिला सुंदरगढ़) 10 प्रत्येक; कंकदाहद (जिला ढेंकनाल), भुबन (जिला ढेंकनाल), सुकिंदा (जिला जाजपुर), राउरकेला (जिला सुंदरगढ़) 9 प्रत्येक; बटगांव (जिला संबलपुर), सोनपुर (जिला सोनपुर), नयागढ़ (जिला नयागढ़), भंडारीपोखरी (जिला भद्रक), ररूआना (जिला मयूरभंज) 8 प्रत्येक; कनिहा (जिला अंगुल), घाटगांव (जिला क्योंझरगढ़), खैरमल (जिला बौधगढ़), चंदबली (जिला भद्रक), हताडीही (जिला क्योंझरगढ़), सुकरुली (जिला मयूरभंज) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी राजस्थान**: मांगरोल (जिला बारां) 18; शाहाबाद (जिला बारां) 17; पीपल्दा एसआर (जिला कोटा) 15; आसपुर (जिला डूंगरपुर), कोटा-एयरो (जिला कोटा), किशनगंज (जिला बारां) 12 प्रत्येक; देवगढ़ (जिला राजसमंद), बारां (जिला बारां), बूंदी (जिला बूंदी) 11 प्रत्येक; बारी (जिला धौलपुर), घाटोल (जिला बांसवाड़ा) 10 प्रत्येक; चोथकाबरवाड़ा एसआर (जिला सवाई माधोपुर), गिर्वा एसआर (जिला उदयपुर), उनियारा/अलीगढ़ (जिला टोंक), गणेशपुर एसआर (जिला डूंगरपुर), भूंगड़ा एसआर (जिला बांसवाड़ा), माउंटनाबू तहसील एसआर (जिला सिरोही), भैंसरोडगढ़ एसआर (जिला चित्तौड़गढ़) 9 प्रत्येक; टाटगढ़ एसआर (जिला अजमेर), अटरू एसआर (जिला बारां), बारी-सादड़ी (जिला चित्तौड़गढ़), खंडार एसआर (जिला सवाई माधोपुर), सरमथुरा एसआर (जिला धौलपुर) 8 प्रत्येक; करौली (जिला करौली), उदयपुर/डी-एयरो (जिला उदयपुर), नादोती (जिला करौली), अंता एसआर (जिला बारां), छबड़ा (जिला बारां) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिमी मध्य प्रदेश:** बडोदा (जिला श्योपुर) 17; सबलगढ़ (जिला मुरैना) 15; खातेगांव (जिला देवास) 14; बागली (जिला देवास), पिपलौदा (जिला रतलाम), सतवास (जिला देवास) 11 प्रत्येक; विजयपुर (एडीपी) (जिला श्योपुर), बदरवास (जिला शिवपुरी) 10 प्रत्येक; कोलारस (जिला शिवपुरी), ईसागढ़ (जिला अशोकनगर), नागदा (जिला उज्जैन), करहल (जिला श्योपुर), बैराड़ (जिला शिवपुरी), बमोरी (जिला गुना) 9 प्रत्येक; कन्नोद (जिला देवास), टोंकखुर्द (जिला देवास), आलोट (जिला रतलाम) 8 प्रत्येक; गुना-आव्स (जिला गुना), जावरा (जिला रतलाम), नसरुल्लागंज (जिला सीहोर), श्योपुर-आव्स (जिला श्योपुर), वीरपुर (जिला श्योपुर) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिमी राजस्थान**: पाली (जिला पाली) 17; देसूरी (जिला पाली) 14; बिलाड़ा (जिला जोधपुर) 11; मारवाड़ जंक्शन (जिला पाली) 10; सोजत (जिला पाली) 9; डूंगरगढ़ (जिला बीकानेर) 8; रायपुर एसआर (जिला पाली), सुजानगढ़ (जिला चूरू), रोहट एसआर (जिला पाली) 7 प्रत्येक;
- **झारखंड**: घाटशिला (जिला पूर्वी सिंहभूम) 17; चांडिल (जिला सरायकेला-खरसावां) 11; मनोहरपुर (जिला पश्चिम सिंहभूम) 10; तोरपा (जिला खूंटी), अर्की (जिला खूंटी), आनंदपुर (जिला पश्चिमी सिंगभूम), धालभूमगढ़ (जिला पूर्वी सिंगभूम), रनिया (जिला खूंटी) 8 प्रत्येक; जमशेदपुर एपी (जिला पूर्वी सिंगभूम), कुमारडुंगी (जिला पश्चिमी सिंगभूम) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: तुर्तीपार (जिला बलिया) 13; बलिया (जिला बलिया), चुनार (जिला मिर्ज़ापुर) 10 प्रत्येक; वाराणसी बी.एच.यू. (जिला वाराणसी) 8; महसी (जिला-बहराइच), फ़तेहपुर तहसील (जिला-बाराबंकी) 7 प्रत्येक;
- **गुजरात क्षेत्र:** सतलासाना (जिला मेहसाणा) 10; खेडब्रह्मा (जिला साबरकांठा), धरोई कॉलोनी (जिला मेहसाणा) 7 प्रत्येक;
- **तटीय कर्नाटक:** कोटा (जिला उडुपी) 9; शक्ति नगर (जिला दक्षिण कन्नड़), मंगलुरु (जिला दक्षिण कन्नड़) 8 प्रत्येक; उडुपी (जिला उडुपी), बंटवाल (जिला दक्षिण कन्नड़) 7 प्रत्येक;
- **उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: चलौनी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 9;
- **असम और मेघालय:** गोलपारा एडब्ल्यूएस (जिला गोलपारा) 9; गोलपाड़ा पीटीओ (जिला गोलपाड़ा) 8; गोइबरगांव (जिला बक्सा) 7;
- **गांगेय पश्चिम बंगाल**: सागर द्वीप पीटीओ (जिला दक्षिण 24 परगना) 8;
- **छत्तीसगढ़**: प्रतापपुर (जिला सूरजपुर) 8; वांड्रफनगर (जिला बलरामपुर) 7;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 7;
- **सौराष्ट्र और कच्छ**: बरवाला (जिला बोटाद) 7;
- **हिमाचल प्रदेश:** राजगढ़ (जिला सिरमौर) 7;
- **हरियाणा-**: सोहना (जिला गुड़गांव), पाल्हावास आरईवी (जिला रेवाड़ी) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**: तालबेहट (जिला ललितपुर) 7;
- **त्रिपुरा:** छामोनु (जिला धलाई) 7.

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	14- Jul	15- Jul	16- Jul	17- Jul	18- Jul	19- Jul	20- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	SCT	SCT	FWS	FWS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
7	ODISHA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT
14	PUNJAB	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	FWS	WS	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	WS	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS	SCT
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	WS	FWS	FWS
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

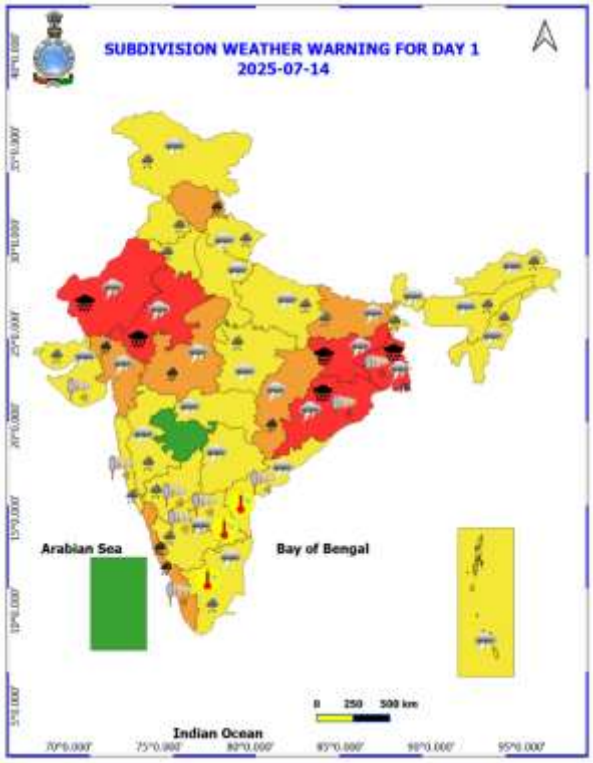
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-14
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

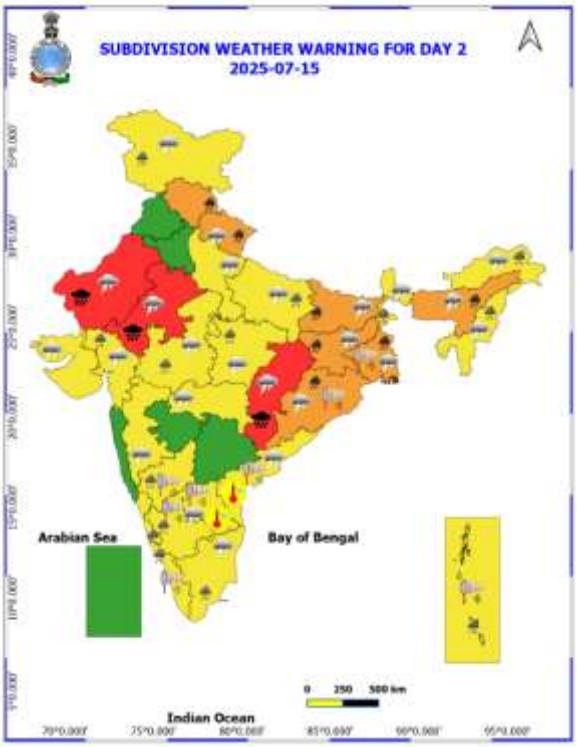
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-07-15
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

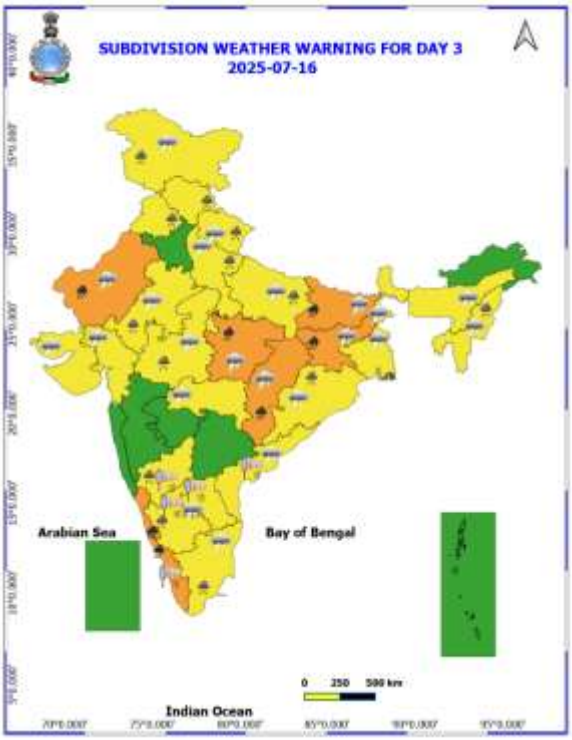
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-07-16
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

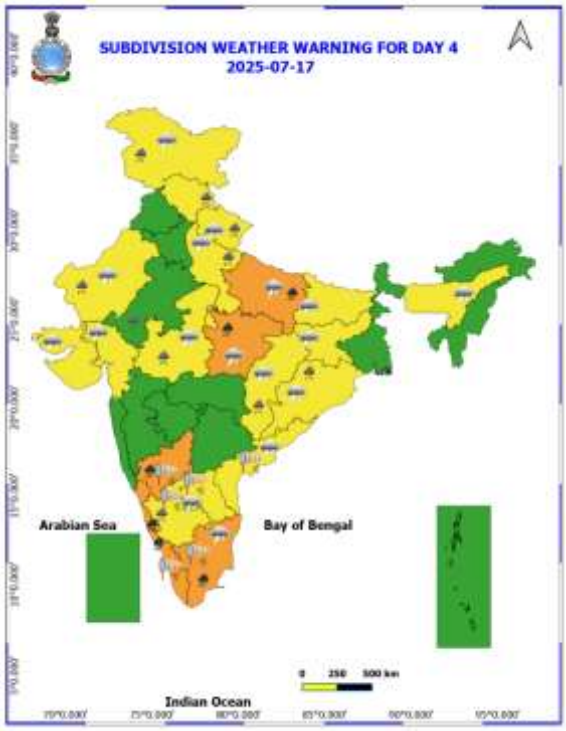

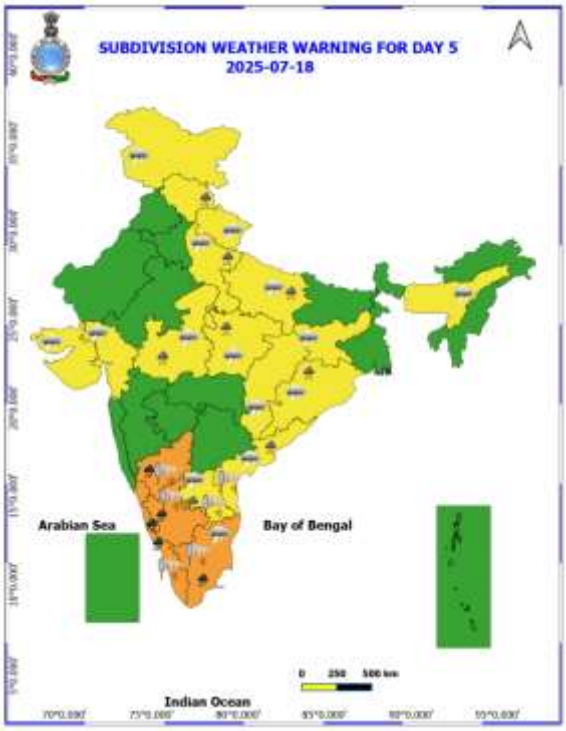

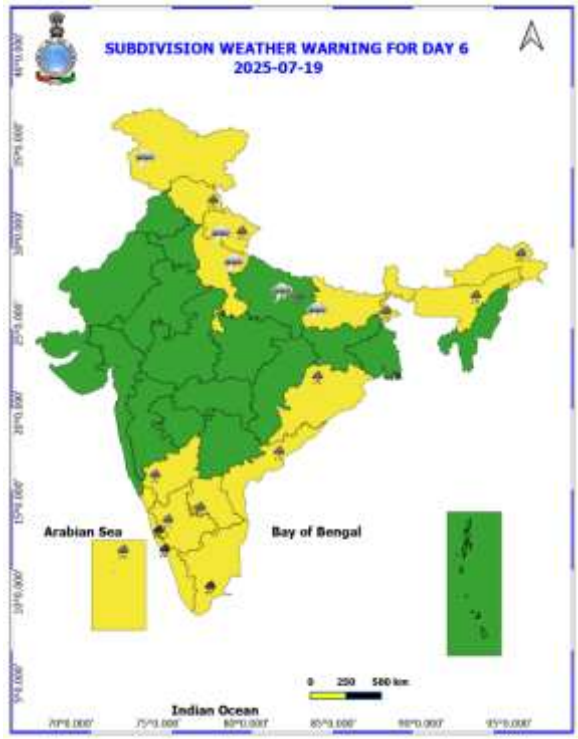

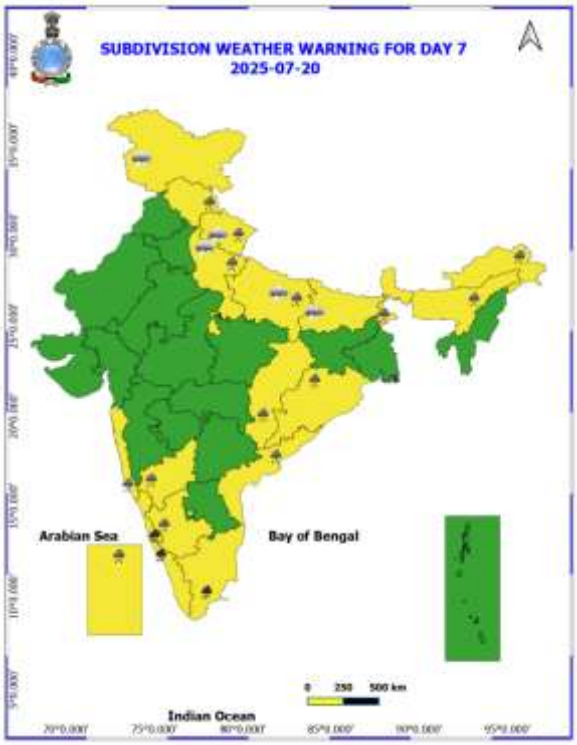

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए 14 से 17 जुलाई 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1 से 2°C और अधिकतम तापमान में 1°C तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 33 से 35°C और न्यूनतम तापमान लगभग 23 से 26°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 4°C तक नीचे रहा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 3°C तक नीचे रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान क्षेत्र में आमतौर पर आकाश में बादल छाए रहे और सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व/उत्तर-पूर्व दिशा से लगभग 12 किमी/घंटा की गति से चलती रहीं। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर हल्की वर्षा दर्ज की गई, जबकि कुछ एकल स्थानों पर मध्यम वर्षा हुई। आज पूर्वाह्न में भी आसमान में बादल छाए रहे और हवाएं पूर्व दिशा से 16 किमी/घंटा से कम गति से चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

14.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। कभी-कभी 20-30 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ सतही हवाएँ 40 किमी प्रति घंटे तक की गति पकड़ सकती हैं। हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 से 33°C के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 3 से 5°C तक नीचे रहेगा। दोपहर में प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से लगभग 25 किमी/घंटा की गति से चलेगी। शाम और रात के समय यह घटकर 15-20 किमी/घंटा हो जाएगी।

15.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। कभी-कभी 20-30 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ सतही हवाएँ 40 किमी प्रति घंटे तक की गति पकड़ सकती हैं। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना। अधिकतम तापमान 32 से 34°C और न्यूनतम तापमान 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C नीचे रहेगा। सुबह के समय हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा से कम की गति से चलेंगी, दोपहर में यह बढ़कर 25 किमी/घंटा से कम हो जाएगी और शाम-रात में घटकर 15 किमी/घंटा से कम रहेगी।

16.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना। अधिकतम तापमान 33 से 35°C और न्यूनतम तापमान 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3°C नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C नीचे रहेगा। सुबह हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा से कम की गति से चलेंगी, दोपहर में यह बढ़कर 15 किमी/घंटा से कम होगी और शाम-रात में फिर घटकर 12 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

17.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना। अधिकतम तापमान 33 से 35°C और न्यूनतम तापमान 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4°C नीचे रहेगा। सुबह सतही हवाएं दक्षिण दिशा से 12 किमी/घंटा से कम गति से चलेंगी, दोपहर में यह बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 किमी/घंटा से कम होगी, और शाम-रात में उत्तर-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा से कम रह जाएगी।

हल्की से मध्यम बारिश और गरज/बिजली गिरने के कारण संभावित प्रभाव और सुझावित कार्रवाई:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीले सामान उड़ सकते हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं। घर के अंदर रहें, खिड़की और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं, और सभी विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 14 और 15 जुलाई को राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर, 14 को पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, ओडिशा, झारखंड में और 15 जुलाई को छत्तीसगढ़ में अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 14 और 15 जुलाई को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में, 16 को पश्चिम राजस्थान में, 14 को पश्चिम मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र में, 16 और 17 को पूर्वी मध्य प्रदेश में, 15 को पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, ओडिशा में, 14-16 के दौरान झारखंड, छत्तीसगढ़ में, 15 और 16 को बिहार में, 17 को पूर्वी उत्तर प्रदेश में, 14-20 जुलाई के दौरान केरल और माहे, तमिलनाडु और तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श:

- **पूर्वी राजस्थान** के **दक्षिण-पूर्वी आर्द्र मैदानी क्षेत्र** में धान की नर्सरी और मक्का, सोयाबीन, और उड़द के खेतों फसलों से अतिरिक्त पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें। **बाढ़ संभावित पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में बाजरा, तिल, उरद और सब्जियों के खेतों में जल निकासी प्रदान करें। **दक्षिणी आर्द्र मैदानी क्षेत्र** में सोयाबीन, मक्का, कपास और मूंगफली की बुवाई को स्थगित करें, और खड़ी फसलों से अतिरिक्त पानी की निकासी सुनिश्चित करें। **उप- आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, मूंग, उड़द और मूंगफली की बुवाई को स्थगित करें, और खड़ी फसलों से अतिरिक्त पानी की निकासी सुनिश्चित करें। **पश्चिमी राजस्थान** में, मूंग, ग्वार, मोठ बीन्स, तिल आदि की बुवाई को स्थगित करें और **लूनी बेसिन के संक्रमणीय मैदानी क्षेत्र** में खरीफ फसलों से अतिरिक्त पानी की निकासी की व्यवस्था करें।
- **उत्तर प्रदेश** के **पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में खड़ी फसलों और सब्जी की नर्सरियों, **मध्य मैदानी क्षेत्र** में धान, दालों (उड़द, अरहर आदि) और मूंगफली के खेतों तथा **दक्षिण-पश्चिमी अर्ध-शुष्क क्षेत्र** में धान, वसंतकालीन गन्ना, अरहर, मक्का और सब्जियों के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। **चित्रकूट जिले** में, भारी वर्षा के दौरान तिल और बाजरा की बुवाई और सब्जियों (मिर्च, बैंगन, टमाटर, गोभी और करेला) की नर्सरी बुवाई से बचें।

- **हिमाचल प्रदेश** के **मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र** में, खीरे की बेलों को सहारा दें और सब्जी व मक्के के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। **उप-पर्वतीय और निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में, जल-जमाव से बचने के लिए मक्के के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। खीरे, ग्रीष्मकालीन स्क्वैश, करेला और लौकी में सहारा प्रदान करें। लंबी और फलीदार फसलों को सहारा (स्टेकिंग) प्रदान करें।
- **उत्तराखंड** में, सोयाबीन, मक्का, बाजरा, रागी, अरहर, राजमा, सब्जियों और बागों में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। पकी हुई सब्जियों और फलों की कटाई करें और सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।
- **मध्य प्रदेश** के अत्यधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में ख़रीफ़ फसलों की बुआई स्थगित करें। **काइमोर पठार और सतपुड़ा पर्वतीय क्षेत्र** में धान की नर्सरियों और सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों से तथा **मध्य नर्मदा घाटी क्षेत्र** में धान की नर्सरियों और गन्ने के खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें। **सतपुड़ा पठार क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन और सब्जियों, **विंध्य पठार क्षेत्र** में सोयाबीन और सब्जियों, **मालवा पठार क्षेत्र** में सोयाबीन और बाजरा तथा **झाबुआ पर्वतीय क्षेत्र** में सोयाबीन, मक्का, कपास और चना की फसलों में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। **मध्य नर्मदा घाटी क्षेत्र** में, भारी वर्षा बंद होने तक सोयाबीन और मक्का की फसल की बुवाई न करें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान के खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी की व्यवस्था करें। बागों और अन्य लंबी/कमज़ोर फसलों को गिरने या टूटने से बचाने के लिए खूँटियों या बाँस से सहारा प्रदान करें। टमाटर, मिर्च, भिंडी, बैंगन, कद्दू, लौकी, मूली और फूलगोभी आदि और खरीफ सब्जियों की रोपाई स्थगित करें।
- **गांगेय पश्चिम बंगाल** के**, लहरदार लाल और लैटेराइट क्षेत्र** और **तटीय लवणीय क्षेत्र** में धान की नर्सरी रोपाई और मूंगफली तथा सब्जियों की बुवाई स्थगित करें। खड़ी फसलों और सब्जियों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **ओडिशा** में, जलभराव को रोकने के लिए पहले से बोई गई धान की नर्सरी, मक्का और सब्जियों के खेतों से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **उत्तर मध्य पठारी क्षेत्र** में धान की नर्सरियों, मक्का और सब्जियों की रोपाई स्थगित करें; **उत्तर पश्चिमी पठारी क्षेत्र** में धान की नर्सरियों, बाजरा, अरहर, मक्का, मूंगफली और सब्जियों की बुवाई स्थगित करें।
- **झारखंड** में मक्के के खेतों, धान और सब्जियों की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें। सब्जी की नर्सरी को पॉलिथीन शीट से ढक दें।
- **गुजरात** क्षेत्र में, जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी, गन्ने के खेतों, केले और आम के बागानों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। गन्ने को गिरने से बचाने के लिए मजबूत बांस का सहारा दें या पत्तियों को आपस में बांध दें।
- **तटीय कर्नाटक** के **तटीय क्षेत्र** में धान की नर्सरियों, रोपे गए चावल के खेतों और सुपारी व नारियल के बागानों से तथा **पहाड़ी क्षेत्र** में धान की नर्सरियों, मक्का, कपास और अदरक के खेतों तथा सुपारी के बागानों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

15-07-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम से उच्च बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। छत्तीसगढ़-बलरामपुर, जशपुर, कोरबा, कोरिया, रायगढ़, सूरजपुर और सरगुजा जिले। ओडिशा - देवगढ़, केंदुझार, मयूरभंज, संबलपुर और सुंदरगढ़ जिले। गांगेय पश्चिम बंगाल - बांकुरा, पूर्वीमेदनीपुर, मुर्शिदाबाद, नादिया, उत्तर 24 परगना, पश्चिम मेदिनीपुर, पुरुलिया और दक्षिण 24 परगना जिले। झारखंड-बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गुमला, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, रांची, सरायकेला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	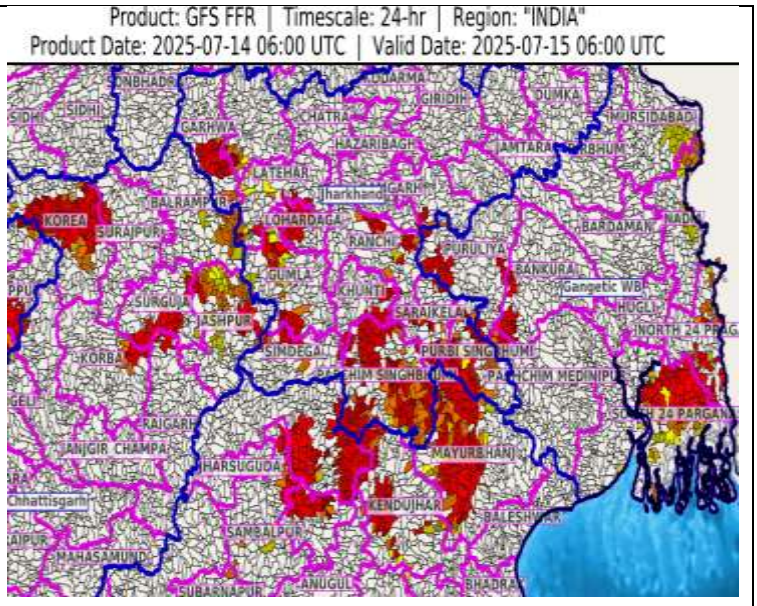
15-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम विभाग उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान - अजमेर, भीलवाड़ा, जयपुर, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सीकर, सवाईमाधोपुर और टोंक जिले। पश्चिमी राजस्थान - बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर और पाली जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	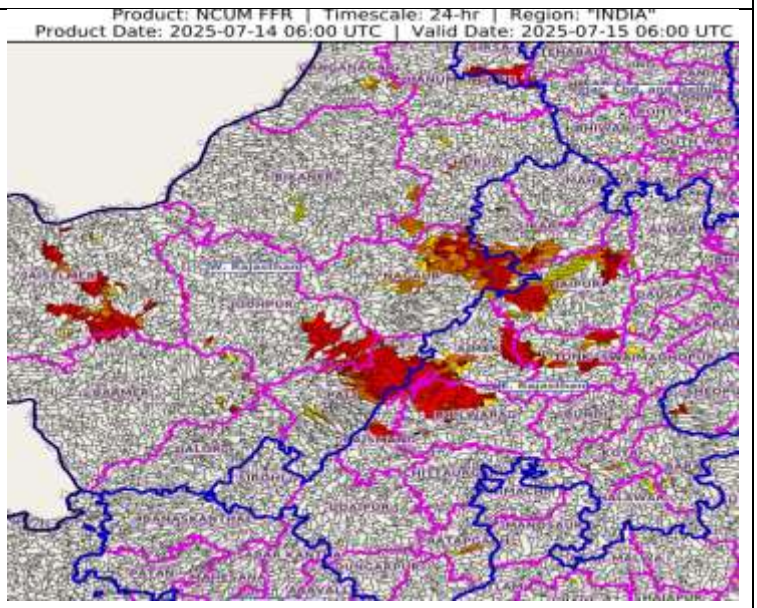

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

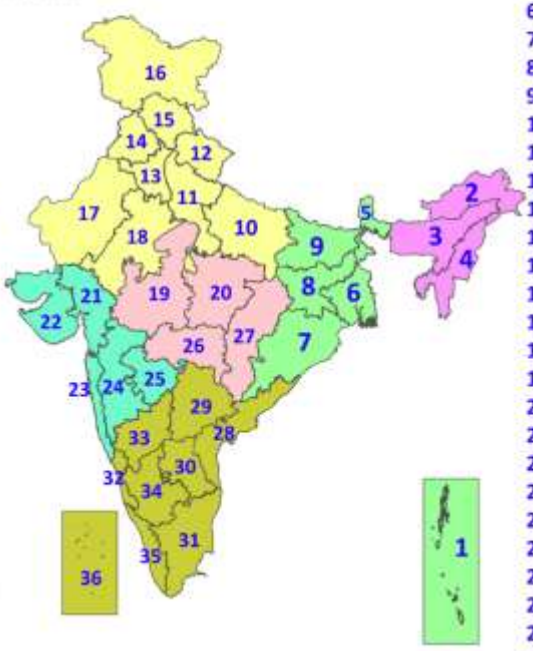

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)